क्यों दक्षिण एशिया को सहयोग करना चाहिए

लेखक-सैयद मुनीर खसरू (ढाका, मेलबर्न, वियना और यूएई में थिंक-टैंक, इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी, एडवोकेसी, एंड गवर्नेंस के अध्यक्ष)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

22 जून, 2019

"सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक साझे दृष्टिकोण की आवश्यकता है।"

दक्षिण एशिया विश्व भू-भाग के क्षेत्रफल का लगभग 3.5% ही कवर करता है, लेकिन यह विश्व आबादी के एक चौथाई भाग को कवर करता है, जो इसे अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाता है। इस क्षेत्र में भौगोलिक निकटता वाले देशों और उनके बीच साझा सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों के बावजूद, यह दुनिया के सबसे कम एकीकृत क्षेत्रों में से एक है।

इंट्रा-रीजनल ट्रेड या अंतरा-क्षेत्रीय व्यापार इन देशों के कुल व्यापार का 5% हिस्सा है, जबकि इंट्रा-रीजनल इन्वेस्टमेंट या अंतरा-क्षेत्रीय निवेश इस क्षेत्र के कुल वैश्विक निवेश के 1% से भी कम है। दक्षिण एशिया की औसत प्रति व्यक्ति जीडीपी वैश्विक औसत का लगभग 9.64% है। यह दुनिया के 30% से अधिक गरीबों के लिए जिम्मेदार है और यह क्षेत्र असंख्य आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करता है।

पहल का अभाव

यहाँ देश सामान्य विकास चुनौतियों की मेजबानी करते हैं, लेकिन इनके बीच आर्थिक सहयोग पर्याप्त से कम है। हालांकि, कुछ उल्लेखनीय क्षेत्रीय पहल, जैसे कि बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक, BIMSTEC) और बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (BBIN) पहल ने आर्थिक और सामाजिक रूप से देशों को करीब लाने के लिए पहल की है। इससे बहुत अधिक आशा है। असमानता, गरीबी, कमजोर शासन और खराब बुनियादी ढांचे की आम विकास चुनौतियों वाले क्षेत्र के लिए, सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के 2030 एजेंडे को प्राप्त करने के लिए सहयोग, सहकार्यता और अभिसरण (3 सी) की एक साझा दृष्टि भारी अवसर प्रदान करती है।

सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों (एमडीजी) की तुलना में, जो 2015 तक विकसित राष्ट्रों के समर्थन से विकासशील देशों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले आठ उद्देश्यों का एक समूह थे, एसडीजी अधिक सार्वभौमिक, समावेशी और प्रकृति में एकीकृत हैं। 17 लक्ष्य और उनके 169 टारगेट आपस में जुड़े हुए हैं और कोई भी देश इसे अलग-अलग काम कर के प्राप्त नहीं कर सकता। दक्षिण एशियाई देश सहयोग के एक क्षेत्रीय ढांचे को अपनाकर इससे बहुत लाभान्वित हो सकते हैं।

एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए न केवल क्षेत्रीय दृष्टिकोण के महत्व को उजागर करते हैं, बल्कि क्षेत्रीय तालमेल और परिणामस्वरूप सकारात्मक मूल्य परिवर्धन भी एसडीजी 2030 एजेंडे को प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं। एसडीजी इंडेक्स-2018 में, जो देशों की प्रगति का आंकलन है, 156 देशों में से केवल दो दक्षिण एशियाई देशों अर्थात् भूटान और श्रीलंका, शीर्ष 100 में शामिल हैं और अगर हम भारत की बात करें, तो इसे 112वां स्थान प्राप्त हुआ है।

अधिकांश दक्षिण एशियाई देशों ने अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने में अच्छी प्रगति की है, लेकिन वे उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे, जीरो हंगर (Zero Hunger), लिंग समानता, शिक्षा, स्थायी शहरों और समुदायों तथा सभ्य काम एवं आर्थिक विकास से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, अधिकांश दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन और जलवायु-प्रेरित प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में है।

प्रदर्शन भिन्नता

अगर हम देश-स्तरीय आंकड़ों पर ध्यान दें, तो पता चलता है कि भारत लक्ष्य-1 (गरीबी को खत्म करने), लक्ष्य-6 (स्वच्छ जल और स्वच्छता), लक्ष्य-12 (टिकाऊ खपत और उत्पादन), लक्ष्य-13 (जलवायु कार्रवाई) तथा लक्ष्य-16 (शांति, न्याय और मजबूत संस्थान) में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है एवं लक्ष्य-2 (जीरो हंगर), लक्ष्य-5 (लिंग समानता) और लक्ष्य-9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे) में खराब प्रदर्शन कर रहा है।

भारत की तरह, बांग्लादेश लक्ष्य 1, 6, 12 और 13 में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन लक्ष्य 2 और 9 में खराब प्रदर्शन कर रहा है तथा लक्ष्य 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा) में पिछड़ रहा है। गोल 1 और 12 में अच्छा प्रदर्शन करते हुए, पाकिस्तान को भारत और बांग्लादेश के समान गोल 2, 4, 5 और 9 में सुधार की आवश्यकता है। इसे लक्ष्य 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास) के संबंध में बेहतर प्रदर्शन की आवश्यकता है। दक्षिण एशिया की इन तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा कुछ विशिष्ट एसडीजी प्राप्त करने के साथ-साथ कुछ सामान्य लक्ष्यों में खराब प्रदर्शन एक समानता को दर्शाता है।

आम विकास चुनौतियों से निपटने के लिए एक क्षेत्रीय रणनीतिक दृष्टिकोण दक्षिण एशिया में भारी लाभ प्रदान कर सकता है। ऊर्जा, जैव विविधता, बुनियादी ढाँचे, जलवायु लचीलापन और क्षमता विकास से संबंधित एसडीजी पार देशी हैं और यह नीति सामंजस्य दोहराव को कम करने और दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

'एसडीजी नीड्स असेसमेंट एंड फाइनेंसिंग स्ट्रेटेजी: बांग्लादेश पर्सपेक्टिव' नामक एक अध्ययन में, बांग्लादेश ने अपने उपलब्ध संसाधनों और एसडीजी कार्यान्वयन के लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकताओं का विश्लेषण करने के लिए अनुकरणीय पहल की है, जिसमें यह कहा गया है कि देश को एसडीजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए अतिरिक्त 928 बिलियन की आवश्यकता होगी। एक अध्ययन एसडीजी वित्तपोषण के लिए पाँच संभावित स्रोतों की पहचान करता है: सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, बाहरी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठन। दूसरी ओर, मालदीव के कई एसडीजी लक्ष्य और संकेतक के डेटा अनुपलब्ध हैं। इसी तरह, भ. ारत ने खाद्य और पोषण सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए कुछ व्यावहारिक योजनाएं और पहलें की हैं, जिससे पड़ोसी देशों के कई लोग लाभान्वित हो सकते हैं।

संस्थागत और ढांचागत घाटे को दूर करने के लिए, दक्षिण एशियाई देशों को गहन क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता है। दक्षिण एशिया में एसडीजी के वित्तपोषण पर, देश अंतर-क्षेत्रीय एफडीआई के प्रवाह को बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं। निजी क्षेत्र भी संसाधन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सबको साथ लेकर चलना

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC), जो इस क्षेत्र में क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक मंच है, मृतप्राय हो गया है और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने में असफल बना हुआ है। यदि दक्षिण एशिया के देश, जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र है, एसडीजी को प्राप्त करने में क्षेत्रीय एकीकरण और सहयोग पर एक आम सहमति बनाने में सफलता प्राप्त कर लेते हैं, तो यह एक शक्तिशाली सहक्रियात्मक शक्ति को प्राप्त कर सकता है जो अंततः दक्षिण एशिया को अभिसरण कर सकता है।

एक सामान्य सामाजिक-आर्थिक एजेंडा प्राप्त करने की दिशा में एक अभिसरण यह दर्शाता है कि दक्षिण एशिया में कोई भी देश गरीबी उन्मूलन और सभी को गरिमा प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में पीछे नहीं रह सकता है।

GS World टीम...

सतत् विकास लक्ष्य (SDG)

परिचय

- जैसा कि हमें पता है कि सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (Millennium Development Goals) 2015 में समाप्त हो गए थे। इसलिए इन विकास लक्ष्यों के स्थान पर सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) को प्राप्त करने का फैसला संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में लिया गया था।
- इस सम्बन्ध में महासभा की बैठक न्यूयॉर्क में 25 से 27 सितंबर, 2015 में आयोजित की गयी थी।
- इसी बैठक में अगले 15 साल के लिए '17 लक्ष्य' तय किये गये थे जिनको 2016 से 2030 की अवधि में हासिल करने का निर्णय लिया गया था। इस बैठक में 193 देशों ने भाग लिया था।
- इस संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन की थीम "Transforming our world: The 2030 Agenda for Sustainable Development" थी।

मुख्य बिंदु

- सतत् विकास लक्ष्य 17 प्रमुख लक्ष्यों और 169 सहायक लक्ष्यों पर आधारित कार्यक्रमों का समूह है।
- इन लक्ष्यों और सहायक लक्ष्यों को संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास सम्मेलन में सदस्य देशों के द्वारा स्वीकार किया गया है।
- इनको सभी सदस्य देशों के द्वारा वर्ष 2030 तक प्राप्त कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।
- इन लक्ष्यों का उद्देश्य सतत् विकास को सुनिश्चित करना है। पूर्ववर्ती सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की अपेक्षा इनका स्वरूप अधिक व्यापक है।

- इनको सभी सदस्य देशों के द्वारा वर्ष 2030 तक प्राप्त कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।
- इन लक्ष्यों का उद्देश्य सतत् विकास को सुनिश्चित करना है। पूर्ववर्ती सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की अपेक्षा इनका स्वरूप अधिक व्यापक है।

ये 17 लक्ष्य इस प्रकार हैं :-

लक्ष्य -1
- **उद्देश्य** - गरीबी की पूर्णत: समाप्ति
- **विवरण** - दुनिया के हर देश में सभी लोगों की अत्यधिक गरीबी को समाप्त करना। अभी उन लोगों को अत्यधिक गरीब माना जाता है, जो कि प्रतिदिन $ 1.90 से कम में जिंदगी गुजारते हैं।

लक्ष्य -2
- **उद्देश्य** - भुखमरी की समाप्ति
- **विवरण** - भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा।

लक्ष्य -3
- **उद्देश्य** - अच्छा स्वास्थ्य और जीवनस्तर।
- **विवरण** - सभी को स्वस्थ जीवन देना और सभी के जीवनस्तर में सुधार लाना।

लक्ष्य -4
- **उद्देश्य** - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।
- **विवरण** - समावेशी और न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना।

लक्ष्य -5
- **उद्देश्य** - लैंगिक समानता।
- **विवरण** - लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए प्रयास करना।

लक्ष्य -6
- **उद्देश्य** - साफ पानी और स्वच्छता।
- **विवरण** - सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -7
- **उद्देश्य** - सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा।
- **विवरण** - सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -8
- **उद्देश्य** - अच्छा काम और आर्थिक विकास।
- **विवरण** - निरंतर, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ उत्पादक, रोजगार और सभी के लिए सभ्य कार्य को बढ़ावा देना।

लक्ष्य -9
- **उद्देश्य** - उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे का विकास।
- **विवरण** - मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना, समावेशी और टिकाऊ औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहित करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना।

लक्ष्य -10
- **उद्देश्य** - असमानता में कमी।
- **विवरण** - देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता कम करना।

लक्ष्य -11
- **उद्देश्य** - टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास।
- **विवरण** - शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला एवं टिकाऊ बनाना।

लक्ष्य -12
- **उद्देश्य** - जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन।
- **विवरण** - उत्पादन और उपभोग पैटर्न को टिकाऊ बनाना।

लक्ष्य -13
- **उद्देश्य** - जलवायु परिवर्तन
- **विवरण** - जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -14
- **उद्देश्य** - पानी में जीवन।
- **विवरण** - टिकाऊ विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण एवं उनका ठीक से उपयोग सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -15
- **उद्देश्य** - भूमि पर जीवन।
- **विवरण** - सतत् उपयोग को बढ़ावा देने वाली स्थलीय पारिस्थितिकीय प्रणालियों, सुरक्षित जंगलों, भूमि क्षरण और जैव विविधता के बढ़ते नुकसान को रोकने का प्रयास करना।

लक्ष्य -16
- **उद्देश्य** - शांति और न्याय के लिए संस्थान।
- **विवरण** - टिकाऊ विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना और सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -17
- **उद्देश्य** - लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी।
- **विवरण** - सतत् विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को पुनर्जीवित करना और कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत बनाना।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **सतत् विकास लक्ष्यों (2016-30) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

   1. देश के भीतर और देशों के बीच असमानता कम करना।
   2. टिकाऊ विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना और सभी के लिए न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करना।
   3. मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना, समावेशी और टिकाऊ औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहित करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सतत् विकास लक्ष्य में शामिल है/हैं?

   (a) केवल 2 (b) केवल 3
   (c) 1 और 2 (d) उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

1. **Consider the following statements regarding the Sustainable development goals (2016-30)-**

   1. Reduce inequality within country and countries.
   2. Promoting peaceful and inclusive societies for sustainable development and ensuring access to justice for all.
   3. Building strong infrastructure, encouraging inclusive and sustainable industrialisation and promoting innovation.

   Which of the above / statements is included in the sustainable development targets?

   (a) Only 2 (b) Only 3
   (c) 1 and 3 (d) All of the a

Expected Questions (Mains Exams)

प्रश्नः दक्षिण एशियाई राष्ट्रों के सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में क्षेत्रीय सहयोग संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए। **(250 शब्द)**

Q. Discuss the role of regional cooperation organizations in achieving sustainable development goals of South Asian nations. **(250Words)**

नोट : 21 जून को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a) होगा।

Committed